भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1485

उत्तर देने की तारीख 27 नवंबर, 2019 (बुधवार)

6 अग्रहायण, 1941 (शक)

प्रश्न

लोकतक झील के आस-□ास बाढ़

1485. श्री राजू बिष्ट:

क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) इथाई बराज के कारण लोकतक झील (मणिपुर) के आस-पास खेती की हजारों हेक्टेयर भूमि के बाढ़ से प्रभावित होने के कारण पीड़ित किसानों की दयनीय स्थिति को सुधारने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) मणिपुर के लोकतक झील में स्थित किबुल लामजाओ राष्ट्रीय पार्क के पर्यावरणीय स्वरूप को बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) मणिपुर के राज्य पशु-संगाई जिसका पर्यावास फुम्डीस इथाई बराज हाइड्रो प्रोजेक्ट के कारण तेजी से विलुप्त हो रहा ह□ को बचाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) मणिपुर सरकार से प्राप्त विवरणों के अनुसार मणिपुर घाटी में बाढ़ का मुख्य कारण विशेष रूप से लोकटक उप बेसिन में इथाई ब□ाज के बहाव के साथ सुगनू हंप के नाम से जानी जाने वाली प्राकृतिक विशाल चट्टानी बाधा को माना जाता ह□ जो मणिपुर नदी की प्रवाह स्थिति को बाधित करता ह□ जिससे नदी की ऊपरी पहुंच पर ब□कवाटर प्रभाव पड़ता ह□ मणिपुर सरकार ने बाढ़ की रोकथाम या नियंत्रण के लिए इथाई ब□ाज के नदी के बहाव के साथ की ड्रेजिंग या रीसेक्शनिंग हेतु ब्रह्मपुत्र बोर्ड को मास्टर प्लान त□ार करने का प्रस्ताव किया ह□

(ख) मणिपुर में लोकटक झील में स्थित कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान के रखरखाव के लिए मणिपुर सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में समग्र आवास की स्थिति और सुरक्षा उपायों में सुधार; संरक्षण

प्रयासों में स्थानीय समुदाय/हितधारकों की भागीदारी में वृद्धि; कौशल विकास, राष्ट्रीय उद्यान में समय-समय पर तैनात फ्रंटलाइन फील्ड स्टाफ की क्षमता निर्माण; प्राकृतिक आवास में परिवर्तन का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय उद्यान के आवास का अनुसंधान और निगरानी; पार्क के भीतर चैनल की कटिंग, नियंत्रित ज्वलन और फायर लाइन काटने और अवांछित आक्रामक पौधों की प्रजातियों और अन्य खरपतवारों का उन्मूलन; और बांस के ट्रस आदि प्रदान करके फुंडी गतिविधियों पर नियंत्रण करना शामिल हैं।

(ग) भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के लुप्तप्राय प्रजाति पुनःप्राप्ति कार्यक्रम के तहत "मणिपुर के भौंह-सींग वाले हिरण या सांगई के लिए संरक्षण कार्य योजनाः एक एकीकृत उपाय" परियोजना को लागू करने के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अन्य चरणों में शामिल हैं:- कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान के लिए एक एकीकृत प्रबंधन योजना; आवास और जनसंख्या निगरानी अभ्यास पर फ्रंटलाइन फील्ड स्टाफ और स्थानीय युवाओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया; मौजूदा सांगाई आबादी की जनसंख्या और आनुवंशिक निगरानी समय-समय पर की जा रही है। सांगाई और हॉग डियर के अलावा पार्क के आसपास पशुधन की रोग निगरानी समय-समय पर की जा रही है। और स्मिथसोनियन कंजर्वेशन बायोलॉजी इंस्टीट्यूट, सं.रा. अमेरिका और राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य संस्थान, बागपत आदि के परामर्श से संरक्षण प्रजनन के लिए एक कार्य योजना तैयार की गई है।

*****